



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 583] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 4, 1992/भाद्र 13, 1914
No. 583] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 4, 1992/BHADRA 13, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कृषि मंत्रालय

(कृषि एवं सहकारिता विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1992

का.आ. 658(अ).—केन्द्रीय सरकार ने यह आज्ञा जारी की दृष्टि से एक विशेषज्ञ समिति गठित की
थी कि क्या भारत में कृषिपशु कोटेशनियों के निरंतर उपयोग में मनुष्यों या पशुओं के जीवों को ऐसे परिसंकेत
में डाल सकता है जिससे तत्काल कोई कार्यवाई करना समाधान या आवश्यक हो जाए ;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर विचार करने के पश्चात् और कीटनाशी अधिनियम, 1968 (1968 का 46) के अधीन गठित रजिस्ट्रारण समिति से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि पैराक्वूट-डी-मिथाइल-सल्फेट, फिनाइल मरकरी एमिडेट और अन्तरंग प्रयोग के लिए धुआं पैदा करने वाले लिण्डेन सूत्रयोग का प्रयोग मनुष्यों, पशुओं के स्वास्थ्य के लिए परिलक्ष्य है और पर्यावरण के लिए हानि पैदा करने वाला है।

अतः केन्द्रीय सरकार, कीटनाशी अधिनियम, 1968 (1968 का 46) की धारा 29 के साथ पठित धारा 27 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तात्कालिक प्रभाव से निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् —

- (1) भारत में पैराक्वूट-डी-मिथाइल सल्फेट का प्रयोग प्रतिबन्धित किया जाता है और उक्त अधिनियम के अधीन प्रयुक्त रजिस्ट्रारण प्रमाणपत्र रद्द हो जाएगा।
- (2) भारत में फिनाइल मरकरी का एमिडेट का प्रयोग 1 जनवरी, 1993 से प्रतिबन्धित किया जाता है।

परन्तु केवल निर्यात के प्रयोजन के लिए देश में फिनाइल मरकरी एमिडेट का उत्पादन किया जाता रहेगा। 1 जनवरी, 1993 को यथा विद्यमान अनुपयुक्त स्टॉक का और पश्चात्बर्ती उत्पादों का, यदि कोई हो, प्रयोग केवल निर्यात के प्रयोजन के लिए किया जाएगा तथा यह रजिस्ट्रारण प्रमाणपत्र में इस आशय के उपांतरणों के अधीन रहते हुए होगा।

- (3) अन्तरंग प्रयोग के लिए धुआं पैदा करने वाले लिण्डेन सूत्रयोग का प्रयोग भारत में प्रतिबन्धित किया जाता है, परन्तु खेती फसलों के कीटो/नाशकजनों के नियंत्रणार्थ प्रयोग के लिए देश में लिण्डेन का उत्पादन जारी रखा जा सकेगा और यह रजिस्ट्रारण-प्रमाणपत्र में इस आशय के उपांतरणों के अधीन रहते हुए होगा ;
- (4) मिथाइल पैराथियोस के प्रयोग करने की अनुमति केवल उन्हीं फसलों के लिए होगी जहां मधुमक्खियों परागणकारियों के रूप में कार्य न कर रही हो और देश में अन्य फसलों के प्रयोग के लिए मिथाइल पैराथियोस का उत्पादन जारी रखा जा सकेगा तथा रजिस्ट्रारण के प्रमाणपत्र में इस आशय के उपांतरण के अधीन रहते हुए होगा।

[सं. 17-21/92-पी.पी.-I]
इन्द्रजीत सिंह मल्ही, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE (Department of Agriculture & Cooperation) NOTIFICATION

New Delhi, the 4th September, 1992

S.O. 658(E).—Whereas the Central Government had set up an Expert Committee with a view to investigate as to whether the continued use of certain insecticides in India shall involve such risks to human beings or animals as to render it expedient or necessary to take immediate action ;

And whereas the Central Government, after considering the recommendation of the said Expert Committee and after consultation with Registration Committee set-up under the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968), is satisfied that the use of Paraquat-Di-methyl Sulphate, Phenyl Mercury Acetate and Lindane formulation generating smoke for indoor use involving health hazards to human beings, animals and damage to the environment,

Now, therefore, in exercise of the Power conferred by sub-section (2) of the section 27 read with section 28 of the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968), the Central Government hereby makes the following order with immediate effect, namely :—

- (i) the use of Paraquat-di-methyl Sulphate is prohibited in India and the Certificate of Registration used under the said Act shall stand cancelled ;
- (ii) the use of Phenyl Mercury Acetate (PMA) is prohibited in India ; with effect from 1st January, 1993.

Provided that Phenyl Mercury Acetate may be continued to be produced in the country only for export purpose. The non-consumed stock as on 1st January, 1993 and subsequent productions, if any, shall be used for export purpose only and shall be subject to the modifications in the certificate of registration to this effect ;

- (iii) the use of Lindane formulation generating smoke for indoor use is prohibited in India, provided that Lindane may be continued to be produced in the country for use for the control of insect pests of field crops and subject to the modification in the certificate of registration to this effect ;
- (iv) the use of Methyl Parathion be permitted only on those crops where honey bees are not acting as a pollinators and Methyl Parathion may be continued to be produced in the country for use in other crops and subject to the modification in the certificate of registration to this effect.

[No. 17-21/92-PPI]

I. S. MALHI, Jt. Secy.

